दैनिक जुनून मार्केट न्यूज (हिसार), मंगलवार 24 मई 2005

समाज व साहित्य को समर्पित व्यक्तित्व : डॉ. सारस्वत

किस इंसान की भावना अपने देश व समाज के प्रति कुछ करने की होती है वह देश सेवा अवश्य करता है, माध्यम चाहे कोई भी हो। साहित्यकार समाज व अपने देश के प्रति समर्पित होकर सृजन के माध्यम से देश सेवा करता है, कलाकार अपनी कला के माध्यम से। किंतु आपको ऐसे बहुत कम इंसान मिलेंगे जो साहित्य तथा कलाकारों को समर्पित हों। जो साहित्यकार अपने देश के लिए जीता है, देश के लिए लिखता है, उन साहित्यकारों के प्रति समर्पित होना छोटी बात नहीं। यह सेवा भी साहित्यकारों या अन्य महानुभावों की देश सेवा से कम नहीं है।

साहित्य तथा साहित्यकारों की सेवा वो ही शख्स कर सकता है जो एक तो साहित्य का महत्व, साहित्य की गरिमा व आवश्यकता को भली भांति समझता हो, दूसरा उसके सीने में देश प्रेम की भावना भरी पूरी हो, अपने देश को समर्पित लोगों के प्रति अति आदर की भावना हो। डॉ. लक्ष्मीनारायण सारस्वत ऐसे ही शख्स हैं जिनमें ये सभी गुण विद्यमान हैं। डॉ. सारस्वत में साहित्य उत्थान एवं समाज सेवा का जो गुण है उसके कारण ये साधारण इंसान की पंक्ति से अलग हटकर ऊंचे कद की ओर जा रहे हैं। डॉ. सारस्वत अपनी समर्पित सेवाभाव से सबसे आदर पा रहे हैं तथा नई पीढ़ी के लिए या आम आदमी के लिए प्रेरणा बनते जा रहे हैं। ये हालांकि मूल रूप से कवि नहीं हैं किंतु कविता के माहौल में रहते-रहते इनके अंदर का कवित्व भी कभी कभी मुखर हो उठता है यही कारण है कि ये कभी-कभी कविता लिख देते हैं। कवि मन वाले डॉ. सारस्वत को कई बार मैंने कविता गोष्ठियों में कविता पाठ करते हुए भी देखा है। डॉ. सारस्वत गत छह वर्षों से साहित्य कला संगम हिसार के अध्यक्ष पद पर हैं। यह संस्था समय-समय पर साहित्यिक आयोजन करवाती रही है। वर्ष में इस संस्था का एक बड़ा आयोजन भी होता है। यह आयोजन राज्यकवि उदयभानु हंस के जन्मदिन के मौके पर होता है जिसमें साहित्य में उल्लेखनीय कार्य करने वाले राज्य के किन्हीं दो साहित्यकारों विशेष रूप से कवियों को सम्मानित किया जाता है। डॉ. सारस्वत गंभीर रूप से इस संस्था से जुड़े हुए हैं तथा साहित्य के उत्थान के लिए मन से कार्य करते हैं।

डॉ. सारस्वत की जो खास विशेषता है वो यह है कि ये बड़े सहृदयी हैं। अपनी मधुर वाणी वे अपनेपन से सबको अपना बना लेते हैं। विनम्रता सहज से भरे हुए ये शख्स परनिंदा से दूर रहते हैं। सहयोगी तथा हंसमुख स्वभाव वाले हैं। यही कारण है कि ये तनाव व निराशा से मुक्त हैं। गरीबों के प्रति इनके मन में दया भाव के कारण ही ये गरीबों को मुफ्त दवा दे देते हैं। अनेक संस्थाओं से जुड़े डॉ. सारस्वत को उनके सुकर्म, समाज समर्पित भाव के कारण ही विभिन्न संस्थाओं/संगठनों ने इनको समय-समय पर पुरस्कृत किया है। चिकित्सा व्यवसाय से जुड़े डॉ. सारस्वत साहित्य सेवा के अलावा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षाओं का आयोजन करवाना, विद्यालयों में जाकर बच्चों को नैतिकता का पाठ पढ़ाना आदि कार्य करते हैं गायत्री मिशन के वरिष्ठ कार्यकर्ता के नाते घर-घर जाकर यज्ञ करवाना, नशामुक्ति हेतु तथा दहेज प्रथा के खिलाफ कार्यक्रम करवाना, वृक्षारोपण अभियान चलाना इनके स्वभाव का हिस्सा है।

साहित्य कला संगम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम का दृश्य।